सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–1 : गणित

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 1 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

1. आकृति एवं स्थान की समझ

शब्द तथा उसके अर्थ से परिचय : छोटा–बड़ा, लम्बा–नाटा, पहले और बाद, अन्दर–बाहर, ऊपर–नीचे जैसे शब्द का उपयोग करना व समझ विकसित करना।

तुलना करना : परिवेश की वस्तुओं को लेकर ऊपर बताए गए गुणों के आधार पर दो चीज़ों/स्थितियों की तुलना करना।

खिसकना या लुढ़कना : चीज़ों को उनके लुढ़कने और खिसकने के गुणों के आधार पर वर्गीकृत करना।

2. संख्या एवं संक्रियाएँ

संख्या बोध– 1 से 10 तक

गिनना : स्वयं गिनकर, बोलकर, सुनकर तथा देखकर संख्या की समझ विकसित करना। गिनती गीत से शुरू करते हुए संख्या नाम से परिचय करवाना। फिर सार्थक संदर्भ में गिनने की ओर बढ़ना और यहाँ से चित्र या परिस्थिति द्वारा चीज़ों को गिनने की ओर बढ़ना तथा फिर गिनने और गणना पर पहुँचना। यह सब करते हुए ध्यान लगातार चित्र या परिस्थिति में संख्या की मात्रा पर रहे। **एक तथा अनेक :** एक और एक से ज्यादा की समझ बच्चों में होती है। उसे एक और अनेक शब्द से परिचित कराना।

एक संग एक संगतता : बराबर समूहों का मिलान और दो समूहों की संगतता द्वारा तुलना करना।

संख्या नाम बोलकर गिनना : किसी समूह में वस्तुओं की संख्या को संख्या नाम बोलकर गिनना। संख्या चिह्नों का प्रयोग अभी नहीं करना है। अभी केवल बोलने, सुनने और गिनने के अभ्यास कराएँ।

संख्या नाम सुनकर समूह बनाना : शिक्षक द्वारा बोली गई संख्या को सुनकर बच्चों द्वारा उतनी ही वस्तुओं का समूह बनाना और स्वयं भी गिनकर दिखाना/चित्र बनाना, दर्शाना आदि।

लिखे हुए संख्या चिह्नों की पहचान : लिखे हुए संख्या चिह्नों को पहचानना और बोलकर बताना तथा उतनी ही वस्तुएँ उठाकर दिखाना/चित्र बनाना, दर्शाना आदि।

पढ़ना और लिखना : संख्या चिह्नों को पढ़ना और लिखना।

अन्दाज़ा लगाना : एक समूह में रखी चीज़ों का अन्दाज़ा लगाना और फिर गिनकर देखना कि अन्दाज़ा सही है या नहीं।

1 से 10 तक की गिनती की समझ से जोड़ना तथा घटाना : वस्तुओं तथा चित्रों की सहायता से जोड़ना तथा घटाना।

संकेत चिह्न : जोड़ तथा घटा के संकेत चिह्नों +, – से परिचय कराना।

5 व 10 को पड़ाव बनाना : 20 से कम संख्याओं को विभिन्न तरीकों से संरचित करने के लिए 5 व 10 को पड़ाव बनाना।

लिखे हुए संख्या चिह्नों को पहचानना : संख्या चिह्न देखकर वस्तुओं को गिनना/चित्र बनाना आदि।

क्रम बताना : संख्याओं का क्रम बताना।

संख्या लिखना तथा पढ़ना : 11 से 20 तक की संख्याएँ लिखना तथा पढ़ना।

तुलना करना : 20 तक की संख्याओं में तुलना करना।

जोड़ तथा घटाना : 20 तक की संख्याओं के साथ जोड़ना–घटाना करने के मौखिक और लिखित अभ्यास करना।

संख्याएँ– 21 से 50 तक

बोलना, पहचानना तथा लिखना : 21 से 50 तक की संख्याएँ बोलना, पहचानना, लिखना।

मात्रा की समझ : इनकी मात्रा की समझ वस्तुओं, परिस्थितियों, खेलों आदि के माध्यम से विकसित करना।

जोड़–घटा के सवाल : 21 से 50 तक की संख्याओं में जोड़–घटा के मौखिक सवाल करना।

3. मापन इकाइयाँ

मुद्रा : 10 रुपये तक में हिसाब तथा लेन–देन।

खुल्ला करने की समझ : बड़े नोट का खुल्ला करने पर किस–किस प्रकार रुपये मिल सकते हैं।

मापन : शब्द का उसके अर्थ से परिचय – दूर–पास, लम्बा–छोटा की पहचान व समझ विकसित करना।

तुलना करना : परिवेश की वस्तुओं को लेकर ऊपर बताए गए गुणों के आधार पर दो चीज़ों/स्थितियों की तुलना करना।

समय : पहले और बाद की समझ – पहले और बाद में घटने वाली घटनाओं की समझ बनाना।

कम देर तथा ज्यादा देर की समझ : लम्बी और छोटी अवधि में घटने वाली घटनाओं की समझ बनाना।

घटनाओं को क्रम में बताना : दिनभर की घटनाओं का क्रमबद्व वर्णन करना।

4. आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न

आँकड़ों का प्रबंधन : सूचना संकलित करना – आँकड़ों को व्यवस्थित करने की जरूरत के लिए एक सन्दर्भ प्रस्तुत करना।

मन गणित : दस तक की संख्याओं के लिए बच्चों को प्रत्येक संख्या के लिए एक से अधिक जोड़ के तथ्यों को बनाने का मौका देना और जोड़–घटा के तथ्यों के आधार पर बच्चों को सवाल बनाने के मौके देना। **संख्याएँ – 11 से 20 तक** **गिनकर :** 11 से 20 तक संख्याओं के लिए वस्तुओं से गिनकर समझना। **मात्रा की समझ** : 11 से 20 तक की संख्याओं का चीज़ों व परिस्थितियों द्वारा मात्रात्मक समझ होना।	**सूचनाओं को व्यवस्थित करना** : बच्चों को आँकड़े एकत्रित करने व व्यवस्थित करने के मौके देना। **सूचनाएँ निकाल पाना** : व्यवस्थित जानकारियों में से कुछ विशेष प्रकार की सूचनाएँ निकाल पाना। **पैटर्न : आसपास के परिवेश में पैटर्न खोजना –** रंग और आकृति/बनावट के आधार पर बने पैटर्न पहचानना। **पैटर्न को आगे बढ़ाना :** रंग और आकृति/बनावट के आधार पर पैटर्न को आगे बढ़ाना। **पैटर्न का स्वरूप** : AB AB AB AB .....; ABC ABC ABC ABC ..... आदि।

प्रथम टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• स्थानिक सम्बन्धों से जुड़ी शब्दावली का विकास कर सकें। जैसे– अन्दर – बाहर, ऊपर – नीचे, सबसे ऊपर – सबसे नीचे, पास – दूर, छोटा – बड़ा आदि को समझ सकें एवं इन गुणों के आधार पर चीज़ों व स्थितियों में तुलना कर सकें। • सरकने–लुढ़कने के आधार पर चीज़ों का वर्गीकरण समझ के साथ कर सकें एवं परिवेश में ऐसी वस्तुओं के उदाहरण समझ के साथ दे सकें।	2 व 3	6–14
2	**संख्या ज्ञान**	• 1 से 10 तक संख्या ज्ञान की समझ बना सकें। जिसमें दी गई चीज़ों को गिन सकें, बोली गई संख्या सुनकर चीज़ें गिनकर दे सकें/समूह बना सकें, संख्या पहचान कर पढ़ सकें एवं चीज़ें गिनकर दे सकें आदि।	4 व 5	15–23
3	**मापन इकाइयाँ**	• अमानक इकाइयों को आधार मानकर विविध भौतिक राशियों के सापेक्ष चीज़ों में समझ के साथ तुलना कर सकें। जैसे– कुत्ता और ऊँट में से ऊँट बड़ा कैसे है ? कुर्सी और अलमारी में से कुर्सी छोटी कैसे है ? आदि।		बच्चों के साथ बातचीत से
4	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• आकृति एवं रंग के आधार पर पैटर्न खोज सकें एवं खोजे गए पैटर्न को समझ के साथ आगे बढ़ा सकें। जैसे– सामाजिक समारोह में सजावट के लिए लगाई गई फर्रियों की कतारों में पैटर्न बनता है। उसे खोज सकें एवं आगे बढ़ा सकें।	1	1–5

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																									
	II																									
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																									
	II																									
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
बच्चों के दैनिक अनुभव से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना व दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																									
	II																									
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फरियों से सजावट कर पाना आदि)	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																									
	II																									
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																									
	II																									
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
बच्चों के दैनिक अनुभव से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना व दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																									
	II																									
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फरियों से सजावट कर पाना आदि)	I																									
	II																									

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• 1 से 10 तक संख्याओं को गिन सकें, पहचान सकें एवं लिख सकें तथा संख्याओं की तुलनाएँ कर सकें। जैसे– ठीक आगे, ठीक पीछे व बीच की तथा छोटी–बड़ी संख्याएँ समझ के साथ बता सकें।	6, 7 व 8	24–38
2	**संक्रियाएँ**	• जोड़–घटाव की अवधारणात्मक समझ बना सकें, जिसमें ठोस चीज़ों एवं चित्रों की मदद से जोड़–घटाव की संक्रिया कर सकें एवं एक अंक की दो संख्याओं को समझ के साथ जोड़ सकें, जिनका योगफल 9 से कम हो।	9 व 10	39–47
3	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• परिवेशीय संदर्भ में संकलित किन्हीं चीज़ों में से अलग–अलग चीज़ें छाँटकर उनकी संख्या लिख सकें। जैसे– दृश्य चित्र में से अलग–अलग तरह की चीज़ों के चित्रों की संख्या गिनकर लिख सकें।	9	41

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																									
	II																									
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																									
	II																									
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
10 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
बच्चों के दैनिक अनुभव से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																									
	II																									
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फरियों से सजावट कर पाना आदि)	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																									
	II																									
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																									
	II																									
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
10 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
बच्चों के दैनिक अनुभव से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																									
	II																									
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फरियों से सजावट कर पाना आदि)	I																									
	II																									

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

तृतीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• 1 से 20 तक संख्याओं को पहचानने, पढ़ने एवं लिखने की समझ बना सकें तथा संख्याओं के मात्रा बोध की समझ बना सकें। • संख्याओं के क्रम, संख्या नाम व मान की समझ बना सकें।	11, 12 व 13	51–55, 58–61
2	**संक्रियाएँ**	• एक अंक की दो संख्याओं को जोड़ने एवं घटाने की समझ बना सकें। • दो अंक की संख्या में एक अंक की संख्या के जोड़ने–घटाने की समझ बना सकें।	11, 12, 13 व 14	48–50, 56–57 व 62–63

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																									
	II																									
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																									
	II																									
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्या में चीज़ों को देखकर उनकी संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संक्रियाएँ																										
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़ एवं बिना उधार का घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ (दोहरान)																										
बच्चों के दैनिक अनुभवों से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																									
	II																									
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फरियों से सजावट कर पाना आदि)	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																									
	II																									
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																									
	II																									
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्या में चीज़ों को देखकर उनकी संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
संक्रियाएँ																										
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़ एवं बिना उधार का घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ (दोहरान)																										
बच्चों के दैनिक अनुभवों से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																									
	II																									
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फरियों से सजावट कर पाना आदि)	I																									
	II																									

चतुर्थ टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• 21 से 50 तक संख्याओं को पहचानने, पढ़ने एवं लिखने की समझ बना सकें तथा संख्याओं के मात्रा बोध की समझ बना सकें।	15 व 16	64–71
2	**संक्रियाएँ**	• जोड़ने–घटाने पर आधारित इबारती सवालों को मौखिक हल कर सकें एवं हल करने के चरणों को समझ के साथ बता सकें।	21 (करो तो जाने)	85–86
3	**मापन इकाइयाँ**	• 20 रुपये तक के नोट व सिक्कों की मदद से लेन–देन कर सकें एवं चीज़ों की कीमत का अनुमान समझ के साथ लगा सकें तथा चीज़ों की कीमत की तुलना समझ के साथ कर सकें। • बच्चों के अनुभवों पर आधारित दो घटी घटनाओं में से पहले व बाद की घटना का क्रम बता सकें।	17, 18 व 19	72–79
4	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• बच्चों के दैनिक अनुभव से जुड़ी घटनाओं के आँकड़े समझ के साथ संकलित कर सकें एवं आँकड़ों की तुलना कर कम व ज्यादा समझ के साथ बता सकें।	20 व 21	80–84

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																									
	II																									
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																									
	II																									
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्या में चीज़ों को देखकर उनकी संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़ एवं बिना उधार का घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																									
	II																									
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना व हल कर पाना।	I																									
	II																									
इकाई में इकाई के जोड़–घटाव पर आधारित ड्रिल्स हल कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
बच्चों के दैनिक अनुभवों से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																									
	II																									
बच्चों की खाने की चीज़ व खिलौनों की कीमत का अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																									
	II																									
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फरियों से सजावट कर पाना आदि)	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
स्थानिकता से संबंधित शब्दावली के व्यवहार में उपयोग की समझ बना पाना। जैसे–चित्र में अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि।	I																									
	II																									
किसी चीज़ के दिए गए चित्र से बड़ा और छोटा चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
छोटी परिवेशीय चीज़ों की आकृति को समानता के आधार पर वर्गीकृत कर पाना एवं उनके अन्य उदाहरण बता पाना।	I																									
	II																									
द्विविमीय आकृतियों को समानता के आधार पर मिलान कर पाना। जैसे– त्रिभुज, आयत, वर्ग, वृत्त आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																									
	II																									
1 से 10 तक संख्या में चीज़ों को देखकर उनकी संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़ एवं बिना उधार का घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																									
	II																									
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना व हल कर पाना।	I																									
	II																									
इकाई में इकाई के जोड़–घटाव पर आधारित ड्रिल्स हल कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
बच्चों के दैनिक अनुभवों से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में लगे समय के आधार पर पहले व बाद की घटना को पहचान पाना एवं तीन या तीन से अधिक घटनाओं को क्रम में रख पाना।	I																									
	II																									
बच्चों की खाने की चीज़ व खिलौनों की कीमत का अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है)	I																									
	II																									
कलात्मक/क्रियात्मक कार्यों में पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फरियों से सजावट कर पाना आदि)	I																									
	II																									

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									